भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

कृषि वानिकी का महत्व विषय पर कार्यक्रम

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा भारत की स्वतन्त्रता की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 18 नवम्बर, 2021 को धवाली, तः धर्मपुर, जिला - मंडी, हिमाचल प्रदेश में कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानो को कृषि-वानिकी के महत्व पर चर्चा करना था तथा ग्रामीणों को जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में धर्मपुर उपमंडल की लोंगनी, धर्मपुर, धवाली, बनाल, भरतपुर और थनेड पंचायतों से 50 ग्रामीणों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **श्री महेंदर सिंह ठाकुर, जल शक्ति, बागवानी एवं राजस्व मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार थे। डॉ. एस.एस. सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला** ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कार्यक्रम में आने हेतु संस्थान का आमंत्रण स्वीकार करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होनें आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग लाभान्वित होंगे। उन्होनें बताया कि संस्थान शिवद्वाला, लोगनी में वन विज्ञान केंद्र खोल रहा है जिसमे माननीय मंत्री जी का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। चन्दन एक महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजाति है, इसे उगाकर प्रदेश की आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उन्होनें बताया कि शिवालिक क्षेत्र चन्दन के लिए उपयुक्त है। **डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ॰**, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया।

माननीय मंत्री श्री महेंदर सिंह ठाकुर ने धर्मपुर क्षेत्र के शिवद्वाला लोंगनी में वन विज्ञान केंद्र खोलने के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान का आभार प्रकट किया और बताया कि इसका कार्य क्षेत्र बढ़ाया जाए और संस्थान अच्छे कार्य करे जिससे क्षेत्र के लोगों को लाभ मिले। हमारे वन ऑक्सिजन सिलिंडर कि तरह है इन्हीं वनों कि वजह से हमारा पर्यावरण उत्तम है। परंतु उन्होनें चिंता जताई कि वन धीरे धीरे कम हो रहें है और उनकी उत्पादकता भी घट रहीं है। कृषि और वानिकी का गहरा है यह एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होनें आगे बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार निचले क्षेत्रों के लिए शिवा नामक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू कर रहा है जिसके तहत लगभग 4000 हेक्टेयर भूमि पर 60 लाख फलदार पौधें रोपे जाएंगे। हिमाचल प्रेष सरकार लोगों कि आय वृद्धि हेतु मशरूम परयोजना शुरू करेंगी जिसके तहत किसानो एवं महिलायों को प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हे मशरूम उगाने हेतु 20 ट्रे, कम्पोस्ट और बीज दिया जाएगा यह कार्य किसानों को आतम निर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होनें वानिकी क्षेत्र में अपने अनुभव भी सांझा किए और बताया कि प्रयोग के तौर पर अपने घर के पास कुछ चन्दन वृक्ष लगाए जो बढ़िया उग रहे हैं। उन्होने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान से भी आग्रह किया कि वो चन्दन पर कार्य करें और क्षेत्र में चन्दन के वन तैयार करनें मे अपना योगदान दे । इसके अलावा उन्होनें कहा कि तौर के पत्ते लोगों कि आय में महत्वपूर्ण योगदान देते है अतः इसकी नर्सरी भी तैयार करें और लोगों को पौधरोपण हेतु पौधें वितरत करें। इसके अलावा चारा बैंक का भी विकास करें ताकि चारे कि जरूरत भी पूरी हो सके। सरकार शिवद्वाला में एक बढ़ी गौशाला विकसित कर रहा है इसके लिए भी चारा बैंक महतवपूर्ण सावित होगा। उन्होनें संस्थान को अपनी और सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

डॉ॰ एस एस सामंत नें बताया कि चन्दन के जंगल सबसे अधिक कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों में पाये जाते हैं। इसके अलावा चन्दन केरल, महाराष्ट्र, ओड़ीशा और उत्तर प्रदेश में भी पाया जाता है। चन्दन प्राकृतिक वास में 650 से 1200 मीटर की ऊंचाई तक उगता है। हिमाचल का निचला क्षेत्र भी चन्दन के लिए उपयुक्त है, संस्थान इस दिशा में कारी करेगा। उन्होनें मंत्री महोदय को विश्वास दिलाया कि आपके द्वारा सुझाए गए सुझाव पर अमल करेगा। **डॉ॰ जगदीश सिंह वैज्ञानिक** ने कृषि वानिकी: आय का एक विकल्प पर अपने विचार लोगों के समक्ष सांझा किए। **डॉ॰ संदीप शर्मा, वैज्ञानिक** जी एवं समूह समन्वयक अनुसंधान ने उन्नत गुणवता वाले पौधें तैयार करने हेतु किसान पौधशाला कि स्थापना एवं प्रबंधन पर वक्तव्य दिया। हिमाचल प्रदेश में चन्दन वृक्ष उगाने की संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होनें बताया कि सबसे पहले जरूरी है कि उच्च गुणवता वाले बीजों से ही नर्सरी में पौध तैयार हो। **डॉ॰ अश्वनी टपवाल** ने कृषि वानिकी वृक्षों में लगनेवालेंरोगों और उनके उपचार के बारे में बताया। **डॉ॰ पवन राणा** ने कृषि वानिकी वृक्षों में कीटों के प्रकोप और उनके प्रबंधन के बारे में बताया। इस कार्यक्रम के दौरान राकेश शर्मा आईपीएच एक्सईएन धर्मपुर, दीक्षांत शर्मा एसडीओ आईपीएच धर्मपुर, योगेश शर्मा, एसडीओ पीडबल्यूडी धर्मपुर, राकेश कटोच डीएफ़ओ जोगिन्द्रनगर, देश राज ठाकुर रेंज ऑफिसर कमलाह धर्मपुर भी उपस्थित रहे। **डॉ॰ सामंत,** निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने सभी प्रतिभागियों का कार्यक्रम में आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सरहाना की तथा सभी वक्ताओं के योगदान को संक्षेप में बताते हुये उनका धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में **डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी** ने मुख्य अतिथि, संस्थान के निदेशक, अन्य सभी वक्ताओं, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, ग्रामीणो का कार्यक्रम में भाग लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया ।